मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.जे.वाई.–004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए : 3×20=60

   (क) स्वकल्पित उदाहरण द्वारा लग्न साधन विधि को स्पष्ट कीजिए।

   (ख) भयात-भभोग साधनपूर्वक चन्द्रस्पष्ट विधि को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) षड्वर्ग कौन-कौनसे हैं ? नवांश साधन विधि को विस्तार से लिखिए।

(घ) विंशोत्तरी दशा साधन विधि को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) द्वादश भाव साधन विधि को लिखिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 10 = 40$

(क) ग्रहस्पष्टीकरण विधि को सोदाहरणपूर्वक लिखिए।

(ख) ग्रहों की दृष्टि शास्त्रोक्त विधि से लिखिए।

(ग) अयनांश साधन को नवीन विधि द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(घ) अष्टक वर्ग विधि को लिखिए।

(ङ) नतसाधन को स्पष्ट कीजिए।

(च) अभीष्ट स्थान की सूर्योदय साधन विधि को उदाहरण सहित लिखिए।

(छ) नैसर्गिक ग्रहमैत्री को चक्र द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(ज) विंशोपक बल साधन विधि को लिखिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com